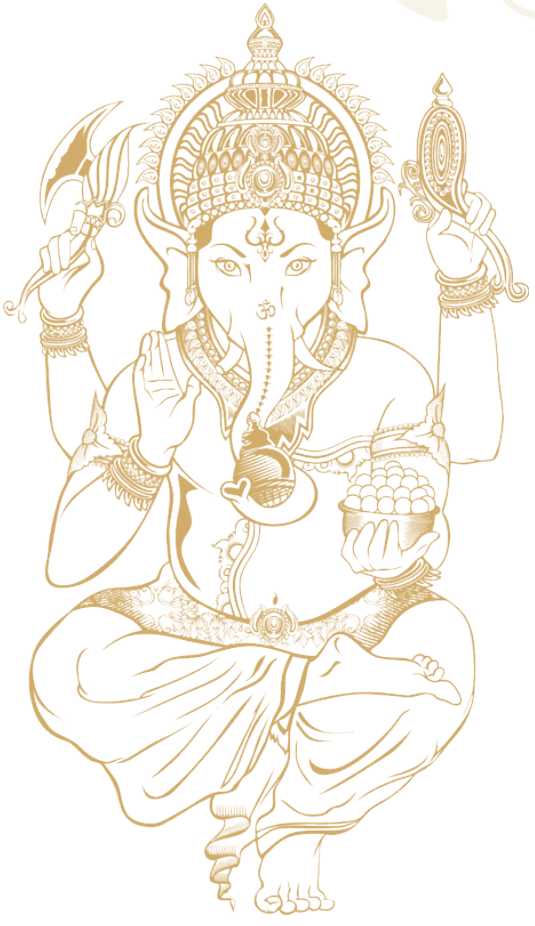

Prateek guharoy

Rupsa sarkar

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119590901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119590901 Date: 28/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/12/1994	जन्म तिथि	20/04/1999
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:55:00	जन्म समय	16:58:00 घंटे
घटी 06:10:41	जन्म समय(घटी)	28:04:28 घटी
India	देश	India
Dalli Rajhara	स्थान	Delhi
20:35:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
81:04:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:05:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:43	सूर्योदय	05:51:27
17:24:11	सूर्यास्त	18:49:23
23:47:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:38

धनु	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृश्चिक	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
ज्येष्ठा	नक्षत्र	मृगशिरा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	4
धृति	योग	अतिगण्ड
किंस्तुघ्न	करण	कौलव
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 14वर्ष 0मा 0दि		20:01:35	धनु	लग्न	कन्या	12:36:37	मंगल 0वर्ष 3मा 4दि	
शुक्र		16:56:24	वृश्चि	सूर्य	मेष	06:06:12	गुरु	
03/12/2015		19:01:08	वृश्चि	चंद्र	मिथु	06:09:56	25/07/2017	
03/12/2035		03:39:33	सिंह	मंगलव	तुला	11:49:14	25/07/2033	
शुक्र	04/04/2019	10:50:47	वृश्चि	बुध	मीन	08:58:03	गुरु	12/09/2019
सूर्य	03/04/2020	04:49:56	वृश्चि	गुरु	मीन	21:51:24	शनि	25/03/2022
चन्द्र	03/12/2021	10:23:57	तुला	शुक्र	वृष	15:24:35	बुध	30/06/2024
मंगल	02/02/2023	12:22:55	कुंभ	शनि	मेष	12:01:03	केतु	06/06/2025
राहु	02/02/2026	20:53:34	तुला व	राहु व	कर्क	25:25:22	शुक्र	05/02/2028
गुरु	03/10/2028	20:53:34	मेष व	केतु व	मक	25:25:22	सूर्य	23/11/2028
शनि	03/12/2031	00:09:20	मक	हर्ष	मक	22:32:41	चन्द्र	25/03/2030
बुध	03/10/2034	27:47:10	धनु	नेप	मक	10:27:00	मंगल	01/03/2031
केतु	03/12/2035	04:40:57	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:16:34	राहु	25/07/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:21 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:38

लग्न-चलित

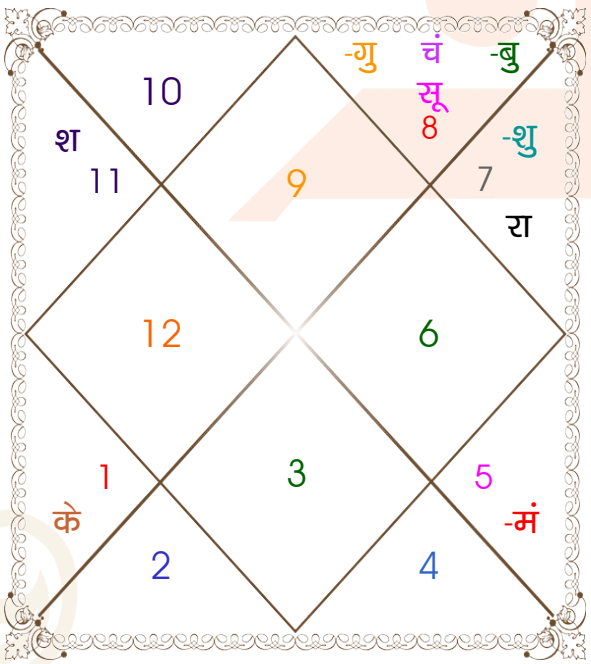

लग्न-चलित

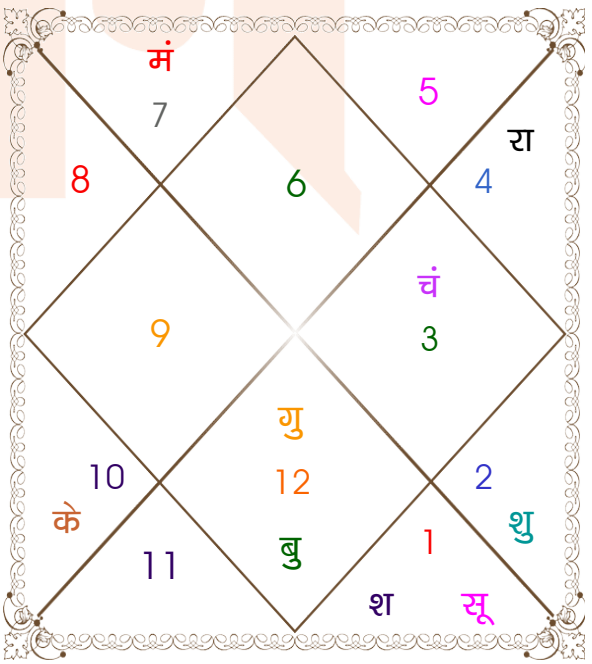

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

कुल : **15 / 36**

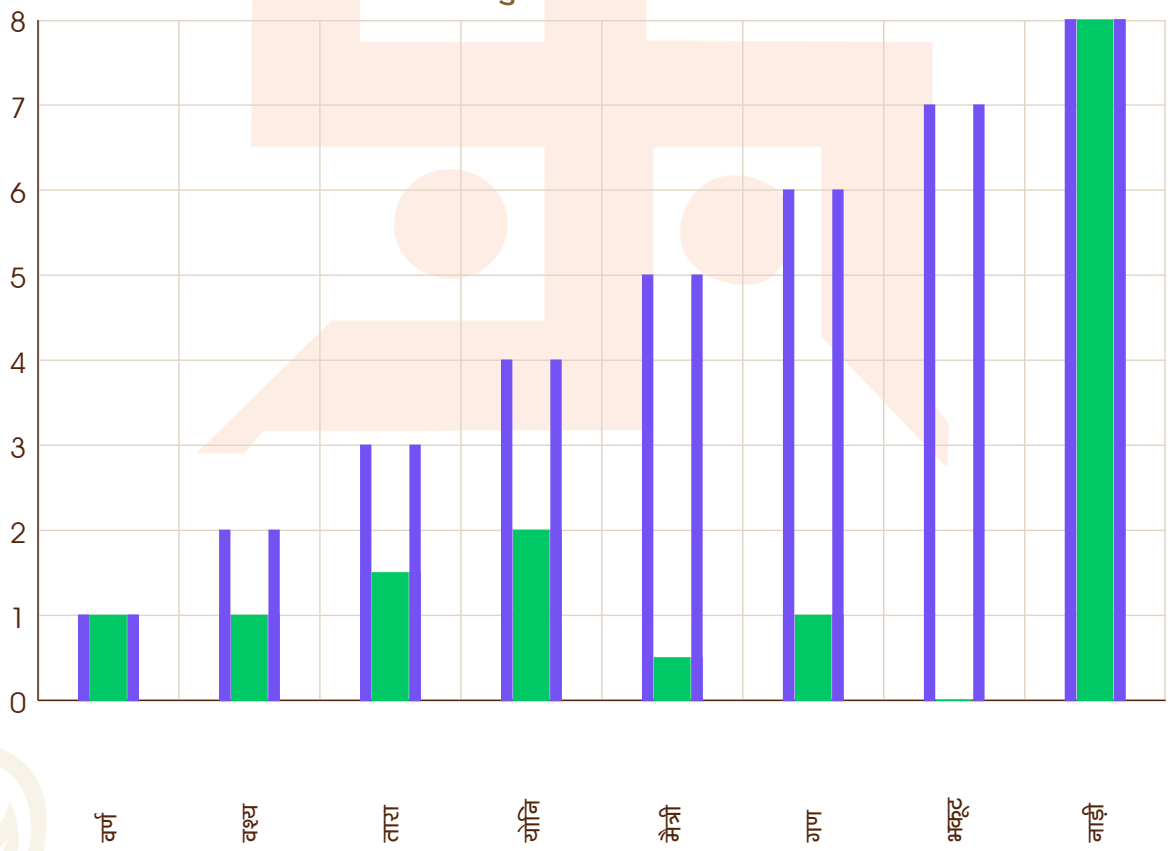

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Prateek guharoy का वर्ग सर्प है तथा Rupsa sarkar का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prateek guharoy और Rupsa sarkar का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Prateek guharoy मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Rupsa sarkar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Prateek guharoy तथा Rupsa sarkar में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Prateek guharoy का वर्ण ब्राह्मण तथा Rupsa sarkar का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Rupsa sarkar सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Rupsa sarkar एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Prateek guharoy का वश्य कीट है एवं Rupsa sarkar का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Prateek guharoy एवं मनुष्य Rupsa sarkar के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Prateek guharoy एवं Rupsa sarkar बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Prateek guharoy की तारा प्रत्यरि तथा Rupsa sarkar की तारा साधक है। Prateek guharoy की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Prateek guharoy कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Rupsa sarkar को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Prateek guharoy की योनि मृग है तथा Rupsa sarkar की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Prateek guharoy का राशि स्वामी Rupsa sarkar के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Rupsa sarkar का राशि स्वामी Prateek guharoy के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Prateek guharoy का गण राक्षस तथा Rupsa sarkar का गण देव है। अर्थात Rupsa sarkar का गण Prateek guharoy के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Prateek guharoy निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Prateek guharoy का Rupsa sarkar के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Rupsa sarkar हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Prateek guharoy से Rupsa sarkar की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Rupsa sarkar से Prateek guharoy की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Prateek guharoy एवं Rupsa sarkar दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। च्तंजममा

हर्नीतवल शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Rupsa sarkar बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Prateek guharoy की नाड़ी आद्य है तथा Rupsa sarkar की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Prateek guharoy की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Rupsa sarkar की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। जल एवं वायु में नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण Prateek guharoy और Rupsa sarkar में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Prateek guharoy की राशि का स्वामी मंगल तथा Rupsa sarkar की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं उत्पन्न होंगे। इसके प्रभाव से Prateek guharoy और Rupsa sarkar के मध्य अनावश्यक विवाद तथा मतभेद रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सदभावना के स्थान पर आलोचना तथा उपेक्षा का भाव रहेगा। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः वैवाहिक जीवन में प्रेम का कम और विरोध का भाव अधिक रहेगा।

Prateek guharoy और Rupsa sarkar की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Prateek guharoy और Rupsa sarkar में अनावश्यक वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होगी। साथ ही समय समय पर अनावश्यक विवाद होते रहेंगे। वैवाहिक जीवन के सुख की दृष्टि से यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। अतः बुद्धिमता एवं संयम से ही शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है ।

Prateek guharoy का वश्य कीट तथा Rupsa sarkar का वश्य मानव है। कीट एवं मानव की परस्पर विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण Prateek guharoy एवं Rupsa sarkar की शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Prateek guharoy का वर्ण ब्राह्मण तथा Rupsa sarkar का वर्ण शूद्र है। अतः Prateek guharoy शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि Rupsa sarkar की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Prateek guharoy और Rupsa sarkar दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Prateek guharoy की नाड़ी आद्य तथा Rupsa sarkar की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही Prateek guharoy और Rupsa sarkar के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Prateek guharoy और Rupsa sarkar का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Prateek guharoy और Rupsa sarkar के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Rupsa sarkar के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Rupsa sarkar को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Rupsa sarkar को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Prateek guharoy और Rupsa sarkar सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Prateek guharoy और Rupsa sarkar का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Rupsa sarkar के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Rupsa sarkar अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Rupsa sarkar पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Rupsa sarkar अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Prateek guharoy तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Prateek guharoy के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Prateek guharoy को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Prateek guharoy के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Prateek guharoy के प्रति अनुकूल ही रहेगा।